चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 02 मई 2026, अंक –269.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

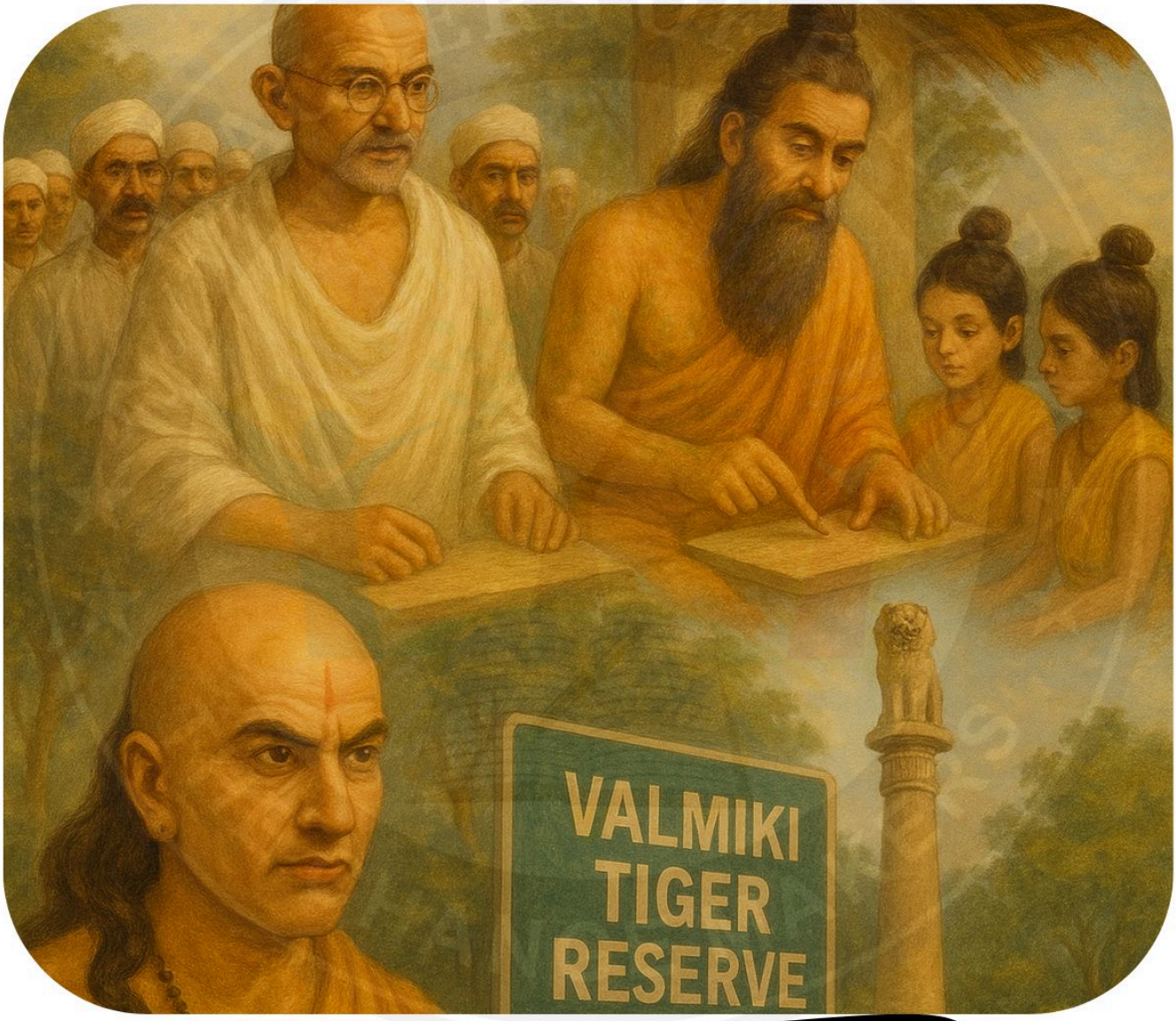

"उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।" — स्वामी विवेकानंद

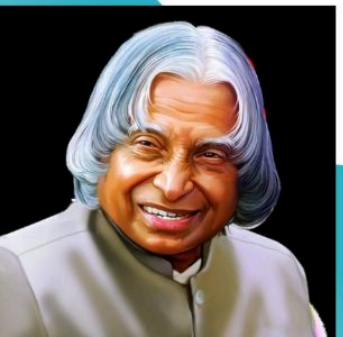

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Saturday Prayer

बिहार राज्य प्रार्थना

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे,
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे।

वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की,
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे।

मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक,
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे।

इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ,
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे।

आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम,
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे।

दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार,
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे।

जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार...!

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. फ्रांस की संसद को क्या कहा जाता है?
उत्तर: नेशनल असेंबली
प्रश्न 2. भारत के पहले उप प्रधानमंत्री कौन थे?
उत्तर: सरदार वल्लभभाई पटेल
प्रश्न 3. नवरात्रि में गरबा मुख्यत: किस देवी की पूजा से जुड़ा है?
उत्तर: दुर्गा
प्रश्न 4. 144 का वर्गमूल क्या है?
उत्तर: 12
प्रश्न 5. सोन नदी का उद्गम स्थल कहां है?
उत्तर: अमर कंटक (मध्य प्रदेश)
प्रश्न 6. केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: राजस्थान
प्रश्न 7. थर्मस फ्लास्क का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: जेम्स डेवर
प्रश्न 8. भारत में राष्ट्रपति शासन किस अनुच्छेद के अंतर्गत लगाया जाता है?
उत्तर: 356
प्रश्न 9. 'अंधकार' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है?
उत्तर: अं
प्रश्न 10. इंद्रधनुष बनने के लिए प्रकाश का कौन-सा गुण जिम्मेदार है?
उत्तर: अपवर्तन

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1. Police – (पुलिस) – पुलिस
2. Station – (स्टेशन) – स्टेशन / थाना
3. Roadside – (रोडसाइड) – सड़क किनारा
4. Traffic – (ट्रैफिक) – यातायात
5.Driver – (ड्राइवर) – चालक
Passenger – (पैसेंजर) – यात्री
Vehicle – (व्हीकल) – वाहन

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "क्या तुम ... रहे/रही हो?" (Are you ...ing?)

क्या तुम पढ़ रहे/रही हो? – Are you reading?
क्या तुम लिख रहे/रही हो? – Are you writing?
क्या तुम खेल रहे/रही हो? – Are you playing?
क्या तुम खा रहे/रही हो? – Are you eating?
क्या तुम सीख रहे/रही हो? – Are you learning?

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटोहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. आज 02 मई को 'विश्व टूना दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस मुख्य रूप से किस पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण पर बल देता है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र (Marine Ecosystem)
व्याख्या: टूना एक महत्वपूर्ण मछली है जो खाद्य सुरक्षा और पोषण का बड़ा स्रोत है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा यह दिवस अत्यधिक मछली पकड़ने के खतरों के प्रति जागरूक करने और समुद्री जीवन के टिकाऊ प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। यह वैश्विक खाद्य श्रृंखला को बनाए रखने के लिए अनिवार्य है।
संदर्भ: संयुक्त राष्ट्र (UN) आधिकारिक कैलेंडर 2026।

2. हाल ही में 'बिहार सरकार' ने किस जिले में 'राज्य का पहला अत्याधुनिक मौसम वेधशाला' (Weather Observatory) स्थापित करने हेतु भारतीय मौसम विभाग के साथ समझौता किया है? (समसामयिकी)
उत्तर: गया
व्याख्या: मई 2026 में गया में इस नई वेधशाला के निर्माण को मंजूरी दी गई है। यह केंद्र दक्षिण बिहार में लू, ठनका (वज्रपात) और मानसूनी गतिविधियों की सटीक और तात्कालिक जानकारी प्रदान करेगा। इससे किसानों और आपदा प्रबंधन विभाग को समय रहते सुरक्षात्मक कदम उठाने में मदद मिलेगी।
संदर्भ: आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार (मई 2026)।

3. "प्रबंध चिंतामणि" नामक सुप्रसिद्ध ग्रंथ के रचयिता कौन हैं, जिसमें मध्यकालीन भारतीय समाज और संस्कृति का वर्णन मिलता है? (पुस्तक - लेखक)
उत्तर: मेरुतुंग (Merutunga)
व्याख्या: आचार्य मेरुतुंग द्वारा 14वीं शताब्दी में रचित यह ग्रंथ ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसमें गुजरात के शासकों और समकालीन भारत की सामाजिक स्थिति का रोचक वर्णन मिलता है। यह प्राचीन और मध्यकालीन इतिहास के संक्रमण काल को समझने का एक प्रमुख स्रोत है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 7 इतिहास, अध्याय 1, पृष्ठ 12।

4. पारिस्थितिकी तंत्र में 'आहार जाल' (Food Web) क्या प्रदर्शित करता है? (पर्यावरण)
उत्तर: खाद्य श्रृंखलाओं का परस्पर जुड़ाव (Interconnectedness of Food Chains)
व्याख्या: प्रकृति में कोई भी खाद्य श्रृंखला अकेली नहीं होती। एक जीव कई अलग-अलग खाद्य श्रृंखलाओं का हिस्सा हो सकता है। जब कई खाद्य श्रृंखलाएँ आपस में जुड़ती हैं, तो उसे 'आहार जाल' कहते हैं। यह तंत्र की स्थिरता बनाए रखने में मदद करता है क्योंकि एक विकल्प खत्म होने पर जीव दूसरे विकल्प पर निर्भर हो सकता है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 10 विज्ञान, अध्याय 15 (हमारा पर्यावरण), पृष्ठ 259।

5. हड़प्पा सभ्यता के किस प्रमुख स्थल से 'मिट्टी के बने हल' (Terracotta Plough) के अवशेष प्राप्त हुए हैं? (इतिहास)
उत्तर: बनावली (हरियाणा)
व्याख्या: हरियाणा के हिसार जिले में स्थित बनावली से मिट्टी के बने हल के खिलौने मिले हैं। यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि सिंधु घाटी के किसान खेतों की जुताई के लिए हल का प्रयोग करते थे। यह उस समय की उन्नत कृषि व्यवस्था और तकनीकी समझ को दर्शाता है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 6 इतिहास, अध्याय 3 (आरंभिक नगर), पृष्ठ 29।

6. भारत का वह कौन सा पड़ोसी देश है जिसकी सीमा भारत के 'पाँच राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों' (लद्दाख, हिमाचल, उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल) को स्पर्श करती है? (भूगोल)
उत्तर: चीन
व्याख्या: भारत और चीन के बीच की सीमा रेखा को 'मैकमोहन रेखा' कहा जाता है। यह सीमा उत्तर में लद्दाख (UT) से शुरू होकर पूर्व में अरुणाचल प्रदेश तक फैली हुई है। सामरिक दृष्टि से यह भारत की सबसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय सीमाओं में से एक है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 9 भूगोल, अध्याय 1 (भारत - आकार और स्थिति), पृष्ठ 6।

7. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में 'कार्यपालिका से न्यायपालिका का पृथक्करण' (Separation of Judiciary from Executive) सुनिश्चित किया गया है? (संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 50
व्याख्या: राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के अंतर्गत अनुच्छेद 50 यह निर्देश देता है कि राज्य लोक सेवाओं में न्यायपालिका को कार्यपालिका से अलग रखेगा। यह प्रावधान न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए अनिवार्य है, ताकि नागरिकों को बिना किसी राजनीतिक दबाव के न्याय मिल सके।
संदर्भ: NCERT कक्षा 11 राजनीति विज्ञान, अध्याय 2, पृष्ठ 45।

8. लोहे पर जंग लगना (Rusting) किस प्रकार की रासायनिक अभिक्रिया का उदाहरण है? (विज्ञान)
उत्तर: उपचयन (Oxidation)
व्याख्या: जब लोहा नमी (पानी) और ऑक्सीजन के संपर्क में आता है, तो वह क्रिया करके आयरन ऑक्साइड की एक परत बना लेता है, जिसे जंग कहते हैं। इस प्रक्रिया में लोहा ऑक्सीजन के साथ जुड़ता है, इसलिए इसे उपचयन अभिक्रिया कहते हैं। इससे बचने के लिए पेंट या 'यशदलेपन' (Galvanisation) का प्रयोग किया जाता है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 10 विज्ञान, अध्याय 1 (रासायनिक अभिक्रियाएँ एवं समीकरण), पृष्ठ 13।

9. विश्व प्रसिद्ध 'होयसलेश्वर मंदिर' (हलेबिडु) किस राज्य में स्थित है, जो अपनी अद्भुत सूक्ष्म नक्काशी के लिए जाना जाता है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: कर्नाटक
व्याख्या: 12वीं शताब्दी में निर्मित यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। यह 'वेसर शैली' की वास्तुकला का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है। इसकी दीवारों पर की गई पत्थर की सूक्ष्म नक्काशी इतनी बारीक है कि यह आभूषणों जैसी प्रतीत होती है। इसे हाल ही में यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 11 (Fine Arts) भारतीय कला का परिचय, अध्याय 6।

10. बिहार के किस जिले में 'संजय गांधी जैविक उद्यान' (चिड़ियाघर) स्थित है, जो गैंडा प्रजनन में विश्व में अग्रणी माना जाता है? (बिहार GK)
उत्तर: पटना
व्याख्या: पटना में स्थित यह उद्यान राज्य का एकमात्र जैविक उद्यान है। यह विशेष रूप से 'एक सींग वाले गैंडे' के सफल प्रजनन और संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त है। यह बिहार की जैव-विविधता और वन्यजीव शिक्षा का एक प्रमुख केंद्र है।
संदर्भ: बिहार पर्यटन विभाग; SCERT बिहार कक्षा 9 भूगोल।

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार (मई W1): सड़क पार करते समय 'जेब्रा क्रॉसिंग' (Zebra Crossing) का क्या उपयोग होता है? (सड़क सुरक्षा)
उत्तर: पैदल यात्रियों के सड़क पार करने हेतु
व्याख्या: आपदा कैलेण्डर 2026 (मई W1) के अनुसार, सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा का आधार है। पैदल यात्रियों को हमेशा जेब्रा क्रॉसिंग (काली-सफेद धारियाँ) से ही सड़क पार करनी चाहिए। वाहन चालकों के लिए नियम है कि वे जेब्रा क्रॉसिंग के पास पैदल यात्रियों को प्राथमिकता दें। यह दुर्घटनाओं को रोकने का सबसे सरल और प्रभावी तरीका है।
संदर्भ: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम; सुरक्षित शनिवार वार्षिक सारणी 2026।

12. 'चाकू' का संबंध जो 'काटने' से है, वही संबंध 'कलम' का किससे होगा? (मानसिक योग्यता)
उत्तर: लिखना
व्याख्या: यह 'सादृश्यता' (Analogy) का प्रश्न है। जिस प्रकार चाकू का मुख्य कार्य 'काटना' है, उसी प्रकार कलम का मुख्य कार्य 'लिखना' है। यह प्रश्न छात्रों के उपकरणों के उपयोग और उनके कार्यों के बीच तार्किक संबंध स्थापित करने की क्षमता को परखता है।
संदर्भ: NTSE मानसिक योग्यता अभ्यास।

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Sincere (सिन्सियर) = Honest / Genuine (ऑनेस्ट / जेन्युइन) = ईमानदार / सच्चा
🔁 Antonym – Insincere (इनसिन्सियर) = कपटी / झूठा
Tolerate (टॉलरैट) = Endure / Bear (एंड्योर / बेयर) = सहन करना / बर्दाश्त करना
🔁 Antonym – Reject (रिजेक्ट) = अस्वीकार करना
Urbane (अर्बेन) = Polished / Sophisticated (पॉलिश्ड / सोफिस्टिकेटेड) = सभ्य / शिष्ट
🔁 Antonym – Rude (रूड) = असभ्य
Vivid (विविड) = Bright / Clear (ब्राइट / क्लियर) = स्पष्ट / जीवंत
🔁 Antonym – Dull (डल) = मंद / फीका
Wary (वेरी) = Cautious / Careful (कॉशस / केयरफुल) = सतर्क / सावधान
🔁 Antonym – Careless (केयरलेस) = लापरवाह

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Prime Minister addresses 'Shram Shakti Sammelan' on International Labour Day; launches 'e-Shram 3.0' with AI-based job matching and integrated social security.
प्रधानमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर 'श्रम शक्ति सम्मेलन' को संबोधित किया; एआई-आधारित जॉब मैचिंग और एकीकृत सामाजिक सुरक्षा के साथ 'ई-श्रम 3.0' लॉन्च किया।

ISRO and NCERT launch 'Space-Seed' program in 500 Atal Tinkering Labs to encourage students to design micro-experiments for Gaganyaan-3.
इसरो और एनसीईआरटी ने 500 अटल टिंकरिंग लैब में 'स्पेस-सीड' कार्यक्रम शुरू किया; छात्रों को गगनयान-3 के लिए सूक्ष्म-प्रयोग डिजाइन करने हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा।

Ministry of Education notifies 'National Credit Framework (NCrF) 2026' for seamless mobility between vocational education and academic streams.
शिक्षा मंत्रालय ने व्यावसायिक शिक्षा और शैक्षणिक धाराओं के बीच सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए 'नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क (NCrF) 2026' अधिसूचित किया।

INTERNATIONAL NEWS

International Labour Organization (ILO) releases 'Future of Work Report 2026'; highlights 25% global increase in green-energy sector jobs.
अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) ने 'फ्यूचर ऑफ वर्क रिपोर्ट 2026' जारी की; वैश्विक स्तर पर ग्रीन-एनर्जी क्षेत्र की नौकरियों में 25% की वृद्धि दर्ज।

BBC News: Global Health Summit adopts 'Vaccine Equity Pact' to ensure decentralized manufacturing of critical medicines in Global South.
बीबीसी न्यूज़: वैश्विक स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन ने 'वैक्सीन इक्विटी पैक्ट' अपनाया; 'ग्लोबल साउथ' में महत्वपूर्ण दवाओं के विकेंद्रीकृत निर्माण को सुनिश्चित करने पर सहमति।

World Meteorological Organization (WMO) reports record high Arctic temperatures in April; calls for immediate reduction in methane emissions.
विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) की रिपोर्ट: अप्रैल में आर्कटिक तापमान ने रिकॉर्ड तोड़ा; मीथेन उत्सर्जन में तत्काल कमी लाने का आह्वान।

BIHAR NEWS

Bihar Government announces 'Kushal Shramik Samman'; ₹1 Lakh grant for state workers winning National Skills Competition.
बिहार सरकार ने 'कुशल श्रमिक सम्मान' की घोषणा की; राष्ट्रीय कौशल प्रतियोगिता जीतने वाले राज्य के श्रमिकों को ₹1 लाख का अनुदान दिया जाएगा।

SCERT Bihar launches 'Prerna 2.0' digital platform for real-time pedagogical support to 75,000 primary school headmasters.
एससीईआरटी बिहार ने 75,000 प्राथमिक विद्यालय प्रधान शिक्षकों को रीयल-टाइम शिक्षण सहायता प्रदान करने के लिए 'प्रेरणा 2.0' डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया।

SPORTS NEWS

Indian Men's Relay Team wins Gold at World Athletics Relays 2026 in Bahamas; secures direct qualification for 2028 Olympics.
भारतीय पुरुष रिले टीम ने बहामास में विश्व एथलेटिक्स रिले 2026 में स्वर्ण पदक जीता; 2028 ओलंपिक के लिए सीधा क्वालीफिकेशन हासिल किया।

Ministry of Sports integrates 'Sports Psychology' modules in school curriculum to enhance the mental resilience of budding athletes.
खेल मंत्रालय ने उभरते एथलीटों के मानसिक लचीलेपन को बढ़ाने के लिए स्कूली पाठ्यक्रम में 'खेल मनोविज्ञान' (Sports Psychology) मॉड्यूल को एकीकृत किया।

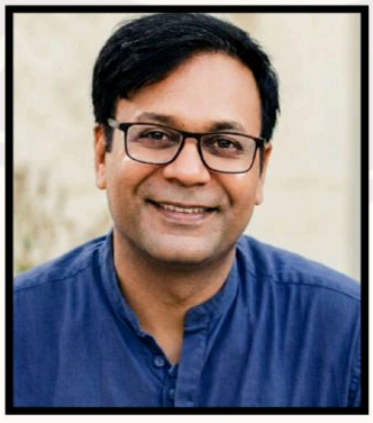

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"करेंट अफेयर्स का नियमित अध्ययन ही प्रतियोगी सफलता की सबसे मजबूत नींव है।"

अनुभाग-6

प्रेरक बाल एकांकी
"अगलगी से बचाव"
(सुरक्षित शनिवार विशेष)

पात्र: मैडम जी, रोहित, सीमा, सोहन, अन्य छात्र

🎬 दृश्य 1: (कक्षा में)

मैडम जी: बच्चों, आज हम "सुरक्षित शनिवार" के अंतर्गत अगलगी (आग लगने) से बचाव के बारे में जानेंगे। क्या तुम जानते हो कि आग लगने के क्या कारण होते हैं?

रोहित: शायद बिजली के शॉर्ट सर्किट से?

सीमा: या गैस चूल्हे की लापरवाही से?

मैडम जी: बिल्कुल सही! इसके अलावा पटाखे, ज्वलनशील वस्तुएँ और लापरवाही भी बड़े कारण हैं।

🎬 दृश्य 2: (विद्यालय परिसर)

(सोहन कूड़े के पास माचिस जलाने की कोशिश करता है)

सीमा (घबराकर): अरे सोहन! ऐसा मत करो, आग लग सकती है!

सोहन: मैं तो बस मजाक कर रहा था...

(मैडम जी आती हैं)

मैडम जी: यह मजाक नहीं, बहुत बड़ा खतरा है। छोटी-सी चिंगारी भी बड़ी आग बन सकती है।

🎬 दृश्य 3: (समझाना)

मैडम जी: बच्चों, अगर कहीं आग लग जाए, तो क्या करना चाहिए?

रोहित: तुरंत किसी बड़े व्यक्ति या आसपास के लोगों को सूचना देना चाहिए।

सीमा: और पानी या रेत से आग बुझाने की कोशिश करनी चाहिए।

मैडम जी: बहुत अच्छा! और याद रखो— 1. घबराना नहीं, 2. सुरक्षित स्थान पर जाना, 3. फायर ब्रिगेड को सूचना देना।

🎬 दृश्य 4: (समापन)

सोहन: मैडम जी, अब समझ आया—छोटी लापरवाही भी बड़ी दुर्घटना बन सकती है।

मैडम जी: सही कहा। सावधानी ही सबसे बड़ी सुरक्षा है।

सभी छात्र (एक साथ): "सावधान रहें, सुरक्षित रहें!"

संदेश : "अगलगी से बचाव के लिए जागरूकता और सावधानी ही सबसे बड़ा उपाय है।"

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

मूलभूत चरण (Foundational Stage) — खेल, खोज और 'जादुई पिटारा'

शिक्षक साथियों, 5+3+3+4 संरचना का पहला '5' यानी मूलभूत चरण (आयु 3 से 8 वर्ष) किसी भी इमारत की नींव की तरह है। यदि यह नींव मजबूत होगी, तो भविष्य की शिक्षा की इमारत अपने आप स्थिर रहेगी। इस चरण की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ 'पढ़ाना' मना है, केवल 'सिखाना' है। इसका अर्थ है कि यहाँ पारंपरिक ब्लैकबोर्ड, चॉक और रटने वाली पद्धति का कोई स्थान नहीं है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) के अनुसार, इस चरण में शिक्षा पूरी तरह से 'खेल-आधारित' (Play-based) और 'गतिविधि-आधारित' (Activity-based) होनी चाहिए।

इस चरण को सफल बनाने के लिए भारत सरकार ने 'जादुई पिटारा' जैसा संसाधन पेश किया है। यह 'पिटारा' केवल खिलौनों का डिब्बा नहीं है, बल्कि यह सीखने का एक दर्शन है। इसमें पहेलियाँ, कहानियाँ, कठपुतलियाँ, फ्लैश कार्ड और पोस्टर शामिल हैं, जो बच्चे की पाँचों इंद्रियों को सक्रिय करते हैं। इस चरण में शिक्षक का मुख्य लक्ष्य बच्चे के भीतर 'साक्षरता' और 'संख्यात्मकता' (FLN) का बीजारोपण करना है, लेकिन बहुत ही सहजता और सरलता के साथ।

उदाहरण:

कल्पना कीजिए, आप कक्षा 1 के बच्चों को 'गिनती' सिखाना चाहते हैं। पुराना तरीका यह था कि आप बोर्ड पर 1, 2, 3 लिख दें और बच्चे उसे दोहराएं। लेकिन मूलभूत चरण के शिक्षक के रूप में, आप बच्चों को स्कूल के प्रांगण में ले जाएंगे। आप उनसे कहेंगे, "चलो, आज हम सब मिलकर पाँच कंकड़ और पाँच ताजी पत्तियाँ ढूँढते हैं।" बच्चे दौड़ेंगे, खोजेंगे और जब वे कंकड़ लाएंगे, तो वे केवल 'अंक' नहीं देख रहे होंगे, बल्कि वे 'मात्रा' (Quantity) को महसूस कर रहे होंगे। वे कंकड़ छूकर समझेंगे कि 'तीन' और 'पाँच' में क्या अंतर है। यहाँ आपने उन्हें रटाया नहीं, बल्कि खेल-खेल में उनके मस्तिष्क में गणितीय समझ का आधार तैयार कर दिया।

इस चरण में भाषा का विकास भी बहुत महत्वपूर्ण है। कहानियाँ सुनाना, कविताओं पर अभिनय करना और बच्चों को अपनी मातृभाषा में बोलने के लिए प्रोत्साहित करना इस चरण की आत्मा है। जब बच्चा अपनी भाषा में सहज महसूस करता है, तभी उसकी जिज्ञासा जागती है। एक शिक्षक के रूप में हमें यह समझना होगा कि इस स्तर पर बच्चे का 'खुश रहना' उसकी 'एकाग्रता' से ज्यादा जरूरी है। यदि बच्चा स्कूल आने के लिए उत्साहित है, तो समझ लीजिए कि आपने एक शिक्षक के रूप में आधी जंग जीत ली है।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि मूलभूत चरण में हमें बच्चों का 'बचपन' नहीं छीनना है। हमें उनके लिए स्कूल को एक ऐसी जगह बनाना है जहाँ वे गिरने, संभलने, खेलने और बिना किसी डर के प्रश्न पूछने के लिए स्वतंत्र हों। याद रखिए, इस चरण का मूल्यांकन अंकों से नहीं, बल्कि बच्चे की आँखों की चमक और उसके चेहरे की मुस्कान से होता है। आज चिंतन कीजिएगा कि क्या आपकी कक्षा में 'जादुई पिटारा' खुलता है या केवल पाठ्यपुस्तकों के पन्ने पलटते हैं?

.....✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

हिन्दुस्तान

स्कूली बच्चे देश दुनिया की खबरों से प्रत्येक दिन हो रहे रु-ब-रु

विशेष

- चेतना सत्र में बच्चों को दी जा रही जानकारी
- बगहा-2 प्रखंड के दर्जनों स्कूल में एचएम की पहल

बगहा,हमारे संवाददाता। बगहा-2 प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में इन दिनों पारंपरिक पढ़ाई के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षकों व प्रधानाध्यापकों की पहल पर एक दर्जन से अधिक स्कूलों में छात्रों को सामान्य ज्ञान और समसामयिक विषयों की जानकारी देकर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जा रहा है। चेतना सत्र को अब केवल प्रार्थना तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे ज्ञानवर्धक सत्र का रूप दे दिया गया है। प्रतिदिन सुबह चेतना सत्र के दौरान राष्ट्रगीत और प्रार्थना के साथ-साथ उस दिन की तिथि से जुड़ी ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जानकारियां भी विद्यार्थियों को दी जा रही हैं। इससे छात्रों का सामान्य ज्ञान बढ़ रहा है और वे विभिन्न विषयों के प्रति जागरूक हो रहे हैं। प्रधानाध्यापक दयाशंकर साह,

प्राथमिक विद्यालय पटेहरा में चेतना सत्र के दौरान बच्चों को जानकारी देतीं शिक्षिकाएं।

प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार, नीतू कुमारी सहित शिक्षकों ने पिंटू कुमार, शैलेश पासवान, तीरेन्द्र राम सहित दर्जनों ने बताया कि सरकारी विद्यालय किसी भी स्तर पर निजी विद्यालयों से बेहतर है। किताबी ज्ञान के साथ ही साथ व्यवहारिक, प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ समसामयिक ज्ञान से उनको रुबरु कराया जाता है। इसके अलावा चेतना सत्र में ही हर दिन एक साहित्यकार और उनके साहित्य के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। शिक्षक छात्रों को प्रमुख कवियों, लेखकों और उनके रचनात्मक योगदान के बारे में बताते हैं। शिक्षकों का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य छात्रों को सिर्फ पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर उन्हें व्यापक ज्ञान देना है, ताकि भविष्य में वे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।बगहा-2 प्रखंड के कई सरकारी विद्यालयों में चेतना सत्र को अधिक ज्ञानवर्धक और रोचक बनाने की पहल की जा रही है। यहां प्रतिदिन चेतना सत्र के दौरान छात्रों को एक सुविचार के साथ सामान्य ज्ञान के पांच प्रश्न भी पूछे जा रहे हैं। इसके अलावा शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को प्रेरणादायक कहानियां भी सुनाई जा रही हैं, जिससे उनमें नैतिक मूल्यों और सकारात्मक सोच का विकास हो सके। बगहा दो के बीईओ फूदन राम ने बताया कि चेतना सत्र के दौरान बच्चो को समसामयिक ज्ञान के साथ ही साथ कई जानकारियो से रुबरु कराया जाता है।

अनुभाग-8

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 44

"प्राकृतिक उपचार में भविष्य – इण्टर के बाद योग और प्राकृतिक चिकित्सा (BNYS) में कैरियर"

'संपादकीय'

मेरे प्रिय छात्र-छात्राओं,

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग बीमारियों से बचने के लिए दवाओं के बजाय प्राकृतिक जीवनशैली और योग की ओर रुख कर रहे हैं। भारत सरकार का 'आयुष मंत्रालय' (AYUSH) भी इस क्षेत्र को निरंतर बढ़ावा दे रहा है। यदि आपने इंटरमीडिएट (विज्ञान) से परीक्षा दी है और आप डॉक्टर की तरह मरीजों का उपचार करना चाहते हैं, लेकिन पारंपरिक एलोपैथी से अलग हटकर, तो BNYS आपके लिए एक शानदार विकल्प है।

1. कोर्स का विवरण और अर्हता:

- कोर्स का नाम: BNYS (Bachelor of Naturopathy and Yogic Sciences)। यह एक स्नातक डिग्री कोर्स है।
- अवधि: 5.5 वर्ष (4.5 वर्ष की पढ़ाई + 1 वर्ष की अनिवार्य इंटर्नशिप)।
- अर्हता: इंटरमीडिएट विज्ञान (Physics, Chemistry, Biology) के साथ कम से कम 50% अंक।

2. नामांकन की विधि एवं प्रमुख संस्थान:

बिहार और अन्य राज्यों में इस कोर्स में नामांकन मुख्य रूप से NEET (National Eligibility cum Entrance Test) के अंकों के आधार पर होता है।

- प्रमुख संस्थान: राजकीय अयोध्या शिवकुमारी आयुर्वेद कॉलेज (बेगूसराय) और बिहार के अन्य आयुष कॉलेज। इसके अलावा 'मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान' (नई दिल्ली) इस क्षेत्र का शीर्ष संस्थान है।
- नामांकन: BCECE (बिहार) या NEET की काउंसलिंग के माध्यम से।
- वेबसाइट: bceceboard.bihar.gov.in और main.ayush.gov.in

3. भविष्य एवं रोजगार की संभावना:

इस कोर्स को पूरा करने के बाद आप अपने नाम के आगे 'डॉक्टर' लिख सकते हैं और निम्नलिखित क्षेत्रों में कार्य कर सकते हैं:

- सरकारी सेवा: सरकारी अस्पतालों में 'प्राकृतिक चिकित्सा अधिकारी' (Naturopathy Officer) के रूप में।
- निजी क्षेत्र: बड़े वेलनेस सेंटर, जिम, और 'नेचुरोपैथी रिजॉर्ट्स' में विशेषज्ञ के रूप में।
- स्वरोजगार: अपना स्वयं का 'योग और प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र' शुरू कर सकते हैं। बिहार जैसे राज्य में पर्यटन स्थलों (जैसे राजगीर या बोधगया) में इसकी बहुत मांग है।

4. वित्तीय सहायता:

- बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड: चूंकि यह एक उच्च व्यावसायिक डिग्री कोर्स है, अतः इसके लिए बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत ₹4 लाख तक की सहायता आसानी से उपलब्ध है।
- मुख्यमंत्री मेधावृत्ति योजना: मेधावी छात्र-छात्राओं के लिए उच्च शिक्षा हेतु राज्य सरकार द्वारा विशेष छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाती है।
- वेबसाइट: 7nischay-yuvaupmission.bihar.gov.in

मेरी सलाह: योग और प्राकृतिक चिकित्सा केवल एक कैरियर नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। यदि आप लोगों को स्वस्थ रखने में रुचि रखते हैं, तो यह क्षेत्र आपको वैश्विक स्तर पर पहचान दिला सकता है।

कल के पत्र (संख्या 35) में हम मैट्रिक के बाद 'मरीन इंजीनियरिंग (GP Rating)' के माध्यम से मर्चेंट नेवी में प्रवेश की रोमांचक राह पर चर्चा करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

आपका मार्गदर्शक

.....✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए...!!!

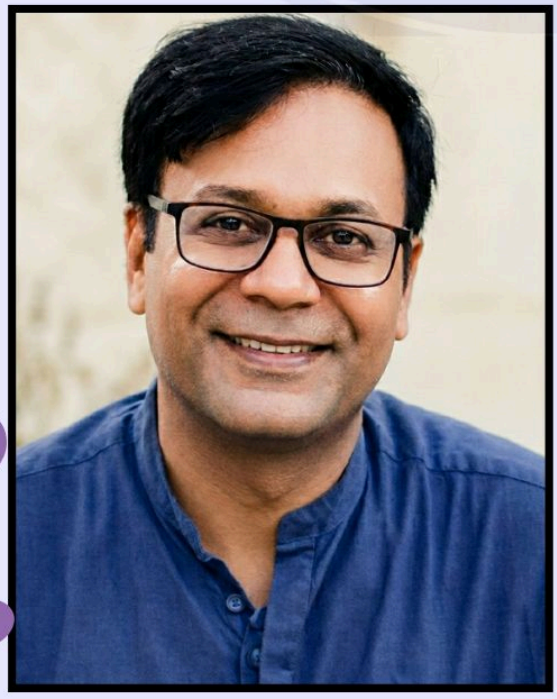

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org